

भक्तपुर जिल्लाको वागेश्वरी क्षेत्रमा प्रचलित लोककथाको अध्ययन

त्रिभुवनविश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत  
नेपाली केन्द्रीयविभागको स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं  
पत्र(५४०-६) को आंशिकप्रयोजनकालागि प्रस्तुत

अध्ययनपत्र

अध्ययनकर्ता

रूपा गिरी

प्राइभेट

कीर्तिपुर

२०७५

## कृतज्ञताज्ञापन

स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको आंशिकप्रयोजनकालागि प्रस्तुतगरिने अध्ययनपत्रको योजनाअनुसार मैले भक्तपुर जिल्लाको वागेश्वरी क्षेत्रमाप्रचलितलोककथाहरूको संकलन र विश्लेषणको अध्ययनपत्रहो । सम्बन्धित क्षेत्रमापुगेर अध्ययनकार्यमालागनुपर्दा यस अध्ययनपत्रको लेखनमानिकै विलम्बहुनगयो ।

यसको लेखन कार्यमा धेरैतिरबाट सद्भावना, शुभेच्छा, सल्लाह सहयोग भएका छन् । यस क्रममामलाई कुशलनिर्देशनगर्नुहुने गुरु प्रा.डा. खगेन्द्रप्रसाद लुइटेलज्यूलाई हार्दिक कृतज्ञता अर्पण गर्दछुनिर्देशनमा रहीउक्त क्षेत्रको परिधिमा रहेकाकथालाई सङ्कलन गरी विश्लेषण गर्ने प्रयास गरेको छु । उहाँहरूको सहयोग र सुभावनपाएको भए यस अध्ययनपत्रको पूर्णता सम्भवथिएन । उहाँहरूबाट प्राप्तअमूल्य सहयोगकालागि म हार्दिक कृतज्ञता प्रकट गर्दछु । त्यसै गरेर अध्ययपत्रतयार पार्ने क्रममा घरायसीव्यवहारमा सहयोग गर्नुहुने हरिशरण पुरी, साथीबिमलाकार्की प्रति म आभार प्रकट गर्दछु ।

अन्त्यमा यस अध्ययनपत्रलाई उचितमूल्याङ्कनकोलागि नेपाली केन्द्रीयविभागमा पेसगर्दछु ।

अध्ययनकर्ता

.....

रूपागिरी

त्रि.वि.द.नं.-६-१-२-१६६-९६

परीक्षाको रोल नं. ४०००४० /२०७१

शैक्षिक सत्र : (२०६९-२०७०)

मिति :

**विषयसूची**  
**पहिलो परिच्छेद**  
**अध्ययनपत्र परिचय**

|                                    |   |
|------------------------------------|---|
| १.१ विषयपरिचय                      | १ |
| १.२ समस्याकथन                      | १ |
| १.३ उद्देश्य                       | २ |
| १.४ पूर्वकार्यको समीक्षा           | ३ |
| १.५ अध्ययनको औचित्य                | ३ |
| १.६ सामाग्री सङ्कलनविधि            | ३ |
| १.७ अध्ययनको सीमाङ्कन              | ३ |
| १.८ सैद्धान्तिक ढाँचा र अध्ययनविधि | ३ |
| १.९ अध्ययनपत्रको रूपरेखा           | ४ |

**दोस्रो परिच्छेद**

**भक्तपुर जिल्ला र वागेश्वरी क्षेत्रको सङ्क्षिप्त परिचय**

|  |   |
|--|---|
| २.१ भक्तपुर जिल्ला र वागेश्वरी क्षेत्रको परिचय | ५ |
| २.१.२ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि                       | ५ |
| २.१.३ भक्तपुर जिल्लाको नामकरण                  | ७ |
| २.३ वागेश्वरी क्षेत्रको सङ्क्षिप्त परिचय       | ८ |

**तेस्रो परिच्छेद**

**भक्तपुर जिल्लाको वागेश्वरी क्षेत्रमा प्रचलित लोककथा सङ्कलन**

|                        |    |
|------------------------|----|
| ४.१ विषयप्रवेश         | १० |
| ४.२ किसान परिवारको कथा | १० |
| ४.३ कागको कथा          | १४ |

|                        |    |
|------------------------|----|
| ४.४ राक्षसको अन्त्य    | १६ |
| ४.५ लक्षण              | १८ |
| ४.६ ब्राहमणको कथा      | २१ |
| ४.७काले राजकुमार       | २४ |
| ४.८ अनौठा राजा         | २७ |
| ४.९चलाखमन्त्री         | ३० |
| ४.१० मिहिनेतको फल      | ३२ |
| ४.११ बाखाको कथा        | ३४ |
| ४.१२ सासू बुहारीको कथा | ३७ |
| ४.१३पाको मान्छे        | ३९ |
| ४.१४भावीले लेखेका कुरा | ४१ |

### चौथो परिच्छेद

#### सङ्कलितलोककथाहरूको वर्गीकरण र विश्लेषण

|  |    |
|--|----|
| ४.१ सङ्कलितलोककथाको वर्गीकरण र विश्लेषण    | ४३ |
| ४.२मानिस र पशुपंक्षीसम्बन्धीलोककथाविश्लेषण | ४४ |
| १. बाखाको कथा                              | ४४ |
| २. लक्षण                                   | ४४ |
| ३. कागको कथा                               | ४५ |
| ४.३ सामाजिकलोककथासम्बन्धीलोककथाविश्लेषण    | ४५ |
| १. किसान परिवारको कथा                      | ४५ |
| २. सासू बुहारीको कथा                       | ४६ |
| ३. अनौठा राजा                              | ४६ |
| ४. मिहिनेतको फल                            | ४७ |

|   |    |
|---|----|
| ५. चलाखमन्त्री                            | ४८ |
| ६. पाको मान्छे                            | ४८ |
| ४.४ पौराणिक लोककथासम्बन्धी लोककथाविश्लेषण | ४९ |
| १. ब्राहमणको कथा                          | ४९ |
| २. भावीले लेखेका कुरा                     | ५० |
| ३. राक्षसको कथा                           | ५१ |

पाँचौँ परिच्छेद  
सारांश तथानिष्कर्ष

|              |    |
|--------------|----|
| ५.१ सारांश   | ५२ |
| ५.२ निष्कर्ष | ५३ |

परिशिष्ट

सन्दर्भ सामग्रीसूची